पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका): (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) परिचालनिक कठिनाइयों तथा संसाधनों की तंगी के कारण।

Privatisation of Railway Stations

394. SHRI KAILASH NARAIN SARANG: Will the MINISTER OF RAILWAYS be pleased to state;

(a) what are the names of railway stations in the country that have been privatised or partly privatised;

(b) what is the yearly profit to Government by Privatisation and in what manner Government consider this arrangement right;

(c) whether Government are considering to privatise or partly privatise some new railway stations also; if so what are the names thereof; and

(d) what are the powers of Government under privatisation or partly privatisation arrangements and what are the powers of the authority under whose supervision raiwlay station operates?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K.C. LENKA): (a) to (c) Railways have been asked to identify stations which they would like to take up on the lines of Bandra experiment. The following stations have been taken up for beautification-cum-maintenance in lieu of sole advertisement rights;

Western Railways: Bandra, Dadar, Khar, Andheri, South Eastern Railway; Kharagpur.

This has resulted in better maintenance and beautification of the stations besides substantial increase in earnings from Commercial publicity, as also in substantial savings on the maintenance of stations. The information as to income from rights from commercial advertisements is being collected.

(d) All powers rest with the Railways and the Contractors are given powers for sole advertisement rights on the stations.

कलैण्डरों को छपवाने पर किया गया व्यय

395. **श्री कैलाश नारायण सारंग:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1994 के लिए रेलवे विभाग द्वारा प्रकाशित कलैण्डरों पर सरकार की कितनी धनराशि खर्च हुई है;

(ख) क्या इन कलैण्डरों में कुछ संशोधन किया गया था;

(ग) क्या देश के नागरिकों या संस्थानों द्वारा सरकार का ध्यान इन कलैण्डरों में पायी गयी कमियों की ओर दिलाया गया है यानि राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से इनमें कमियां हैं, यदि हां, तो ये कमियां क्या थीं और उन्हें किस प्रकार दूर किया गया था; और

(घ) इन कमियों को दूर करने या कलैण्डरों में संशोधन करने में सरकार की कितनी अतिरिक्त धनराशि खर्च हुई?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका): (क) से (घ) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

Coaches in Trains Functioning under Western Railway

396. SHRI SUNDER SINGH BHANDARI:
SHRI O. RAJAGOPAL:

Will the MINISTER OF RAILWAYS be pleased to state;

(a) what are the names of the trains under Western Railway in which arrangements for adding at least ten coaches have not been made so far;

(b) whether it has been made

compulsory that the trains would move only on having ten coaches out of which at least one will be sleeper and one first Class coach; and

(c) what are the names of originating, stations where no facility has been provided for replacing the defective coaches with the other ones?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K. C. LENKA): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

शाहगंज और मऊ के बीच बड़ी रेलवे लाइन का बनाया जाना

397. **श्री ईश दत्त यादव:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार शाहगंज तथा मऊ के बीच बड़ी रेलवे लाइन बनाने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं;

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी० लेंका): (क) और (ख) मऊ और शाहगंज के बीच मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का प्रस्ताव योजना आयोग को भेज दिया गया है। उनका अनुमोदन प्राप्त होने के बाद कार्य शुरू कर दिया जायेगा।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

रेल लाइन को दोहरा बनाने के कार्य को कम प्राथमिकता दिया जाना

398. **श्री राम सिंह राठवा:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि रेल लाइन को दोहरा बनाने के कार्य को कम प्राथमिकता दी जा रही है;

(ख) यदि हां, तो दोहरी लाइन का जोनवार प्रतिशत कितना है;

(ग) पिछले तीन वर्षों में नई लाइनों को बिछाने, छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलने और रेलवे लाइन को दोहरा बनाने से संबंधित प्रति वर्ष कुल कितना काम किया गया है और उक्त समग्र कार्य में से रेल लाइन को दोहरा करने के कार्य की प्रतिशतता क्या थी; और

(घ) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई संदर्शी योजना तैयार की है और इस कार्य के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गयी है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका): (क) जी, नहीं।

(ख) दोहरी लाइन की जोन-वार प्रतिशतता निम्नलिखित अनुसार है:—

(1)	मध्य रेलवे	— 45.5%
(2)	पूर्व रेलवे	— 42.4%
(3)	उत्तर रेलवे	— 20.5%
(4)	पूर्वोत्तर रेलवे	— 0.5%
(5)	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	— 3.4%
(6)	दक्षिण रेलवे	— 13.7%
(7)	दक्षिण-मध्य रेलवे	— 21.4%
(8)	दक्षिण-पूर्व रेलवे	— 37.1%
(9)	पश्चिम रेलवे	— 17.1%

(ग) पिछले तीन वर्षों में नई लाइन परिवर्तन और दोहरी लाइन बिछाने के लिए कुल परिव्यय निम्नलिखित अनुसार है:—

वर्ष	कुल परिव्यय	दोहरी लाइन पर परिव्यय	प्रतिशतता
1991-92	रु० 672 करोड़	रु० 284 करोड़	42.26%
1992-93	रु० 1180 करोड़	रु० 214 करोड़	18.14%
1993-94	रु० 1223 करोड़	रु० 220 करोड़	17.99%

(घ) जी, हां। प्रत्येक वर्ष लगभग 200-250 कि०मी० दोहरी लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है।

Running of Shatabadi Express between New Delhi and Amritsar

399. SHRI BHUPINDER SINGH MANN: Will the Minister of RAILWAYS be plased to state:

(a) whether Government are considering to start Shatabdi Express train between New Delhi and Amritsar;

(b) if so, by when; and

(c) if not, what are the reasons